TRENDS IN AGRICULTURE SCIENCE
ISSN:2583-7850

Popular Article
Domain: Agriculture Science
Vol 5 Issue 6, June 2026, 852-856

कुत्तों में डर्मेटाइटिस में हर्बल औषधियों

Dr. Anita Rathore
Assistant Professor, Department of Veterinary Pathology
CVAS, Navania, Vallabhnagar,Udaipur (Raj.)
anni_vet11@rediffmail.com
doi.org/10.5281/TrendsinAgriculture.21242203

डर्मेटाइटिस कुत्तों में होने वाला एक सामान्य त्वचा रोग है, जिसमें एलर्जी, परजीवी, बैक्टीरिया या फंगल संक्रमण, खराब स्वच्छता अथवा पर्यावरणीय कारणों से त्वचा में सूजन आ जाती है। प्रभावित कुत्तों में खुजली, लालिमा, सूजन, बाल झड़ना, चकत्ते तथा त्वचा पर घाव जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। लगातार खुजलाने से स्थिति और गंभीर हो सकती है तथा द्वितीयक संक्रमण विकसित हो सकता है।

कुत्तों में डर्मेटाइटिस के उपचार एवं प्रबंधन में हर्बल औषधियों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, क्योंकि अनेक औषधीय पौधों में सूजनरोधी, जीवाणुरोधी, फफूंदरोधी, घाव भरने वाले तथा त्वचा को आराम देने वाले गुण पाए जाते हैं। लंबे समय तक कृत्रिम दवाओं के उपयोग की तुलना में हर्बल उपचार अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते हैं और इनके दुष्प्रभाव कम हो सकते हैं।

नीम (Azadirachta indica), एलोवेरा, हल्दी (Curcuma longa), कैलेंडुला, टी ट्री ऑयल तथा नारियल तेल जैसी जड़ी-बूटियाँ खुजली कम करने, संक्रमण नियंत्रित करने, घाव भरने और त्वचा के स्वास्थ्य में सुधार करने में सहायता कर सकती हैं।

हर्बल चिकित्सा का उपयोग मरहम, तेल, शैम्पू, स्प्रे अथवा पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार सप्लीमेंट के रूप में किया जा सकता है। उचित पोषण, स्वच्छता और नियमित ग्रूमिंग भी डर्मेटाइटिस के सफल प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस प्रकार, हर्बल औषधियाँ कुत्तों में डर्मेटाइटिस के प्रबंधन के लिए एक प्राकृतिक एवं सहायक विकल्प प्रदान कर सकती हैं तथा पशु के आराम और त्वचा स्वास्थ्य में सुधार करने में सहायक हो सकती हैं।

कुत्तों में डर्मेटाइटिस (Dermatitis) के लक्षण एवं संकेत

- तेज खुजली और बार-बार खुजलाना (Severe itching and scratching)
- त्वचा का लाल होना (Redness of skin)

- सूजन और त्वचा में जलन (Swelling and inflammation)
- बालों का झड़ना या एलोपेसिया (Hair loss/Alopecia)
- त्वचा का सूखा, पपड़ीदार या खुरदरा होना (Dry, flaky or scaly skin)
- त्वचा पर चकत्ते या घाव बनना (Skin rashes or lesions)
- त्वचा से दुर्गंध आना (Bad odor from skin)
- घाव, पपड़ी या खुरंड बनना (Formation of wounds or scabs)
- प्रभावित स्थान को बार-बार चाटना या काटना (Excessive licking or biting of the affected area)
- पुराने या दीर्घकालिक मामलों में त्वचा का मोटा या काला पड़ जाना (Thickening or darkening of skin in chronic cases)

निष्कर्ष

डर्मेटाइटिस से प्रभावित कुत्तों में खुजली, लालिमा, सूजन, बाल झड़ना तथा त्वचा पर घाव जैसे लक्षण सामान्यतः दिखाई देते हैं। समय पर उपचार न मिलने पर स्थिति गंभीर हो सकती है और द्वितीयक संक्रमण भी विकसित हो सकता है।

कुत्तों में डर्मेटाइटिस (Dermatitis) के कारण (Etiology)

एलर्जी संबंधी कारण (Allergic Causes)

- भोजन से एलर्जी (Food Allergy)
- पिस्सुओं (Fleas) से एलर्जी
- धूल, परागकण (Pollen) तथा फफूंदी (Mold) जैसे पर्यावरणीय एलर्जेन

परजीवी कारण (Parasitic Causes)

- पिस्सू (Fleas)
- माइट्स/खुजली के कीट (Mites–Mange)
- किलनी (Ticks) और जूँ (Lice)

संक्रामक कारण (Infectious Causes)

- जीवाणुजनित संक्रमण (Bacterial Infections)
- फंगल संक्रमण, जैसे रिंगवर्म (Ringworm)
- यीस्ट संक्रमण (Yeast Infections)

पोषण संबंधी कारण (Nutritional Causes)

- विटामिन की कमी
- निम्न गुणवत्ता वाला आहार
- आवश्यक फैटी अम्ल (Essential Fatty Acids) की कमी

पर्यावरणीय एवं प्रबंधन संबंधी कारण (Environmental and Managemental Causes)

- खराब स्वच्छता (Poor Hygiene)
- अत्यधिक नमी या आर्द्रता (Excess Moisture/Humidity)
- शैम्पू, डिटर्जेंट या अन्य रासायनिक पदार्थों से त्वचा में जलन
- गंदा बिछावन एवं अस्वच्छ वातावरण

हार्मोनल एवं प्रतिरक्षा विकार (Hormonal and Immune Disorders)

- हाइपोथायरॉइडिज्म (Hypothyroidism)
- प्रतिरक्षा-जनित त्वचा रोग (Immune-mediated Skin Diseases)

निष्कर्ष (Conclusion)

उचित स्वच्छता, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित पशु-चिकित्सकीय देखभाल तथा उचित हर्बल उपचारों के उपयोग से कुत्तों में डर्मेटाइटिस के प्रबंधन और नियंत्रण में सहायता मिल सकती है।

कुत्तों में डर्मेटाइटिस के लिए सामान्य हर्बल औषधियाँ

नीम (Azadirachta indica)

- जीवाणुरोधी (Antibacterial), कवकरोधी (Antifungal) तथा परजीवीरोधी (Antiparasitic) गुणों से युक्त।
- खुजली को कम करने और त्वचा के संक्रमण को नियंत्रित करने में सहायक।

एलोवेरा (Aloe barbadensis)

- शीतलन (Cooling) और सूजनरोधी (Anti-inflammatory) प्रभाव रखता है।
- त्वचा की जलन को शांत करने तथा घाव भरने में सहायक।

हल्दी (Curcuma longa)

- प्राकृतिक एंटीसेप्टिक और सूजनरोधी गुणों से युक्त।
- त्वचा की लालिमा, सूजन और संक्रमण को कम करने में सहायक।

नारियल तेल (Cocos nucifera)

- सूखी त्वचा को नमी प्रदान करता है।
- क्षतिग्रस्त त्वचा की देखभाल तथा संक्रमण से बचाव में सहायक हो सकता है।

कैलेंडुला (Calendula officinalis)

- एंटीसेप्टिक और घाव भरने वाले गुणों से युक्त।
- त्वचा के घावों और घावयुक्त चकत्तों (Lesions) की देखभाल में उपयोगी।

टी ट्री ऑयल (Melaleuca alternifolia)

- जीवाणुरोधी और कवकरोधी गुण रखता है।

- त्वचा के संक्रमण को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है।

कैमोमाइल (Matricaria chamomilla)

- त्वचा को आराम देने और खुजली कम करने वाले गुणों से युक्त।
- त्वचा की जलन और सूजन को कम करने में सहायक।

ओटमील (Oatmeal)

- त्वचा को प्राकृतिक रूप से शांत करने वाला पदार्थ।
- खुजली, रूखापन और असुविधा को कम करने में सहायक।

उपयोग की विधियाँ (Methods of Use)

हर्बल शैम्पू (Herbal Shampoos)

त्वचा को साफ रखने, खुजली कम करने और संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए उपयोग किए जाते हैं।

हर्बल मरहम एवं क्रीम (Herbal Ointments and Creams)

प्रभावित त्वचा पर लगाकर सूजन, लालिमा और घावों की देखभाल में सहायता करते हैं।

हर्बल स्प्रे (Herbal Sprays)

त्वचा पर सीधे छिड़काव करके खुजली और जलन से राहत प्रदान करने में सहायक होते हैं।

औषधीय तेल (Medicated Oils)

त्वचा को नमी प्रदान करते हैं तथा घाव भरने और त्वचा एवं बालों के स्वास्थ्य में सुधार करने में सहायता कर सकते हैं।

मौखिक हर्बल सप्लीमेंट्स (Oral Herbal Supplements)

पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार दिए जाने चाहिए। ये शरीर की प्रतिरक्षा क्षमता और त्वचा स्वास्थ्य में सुधार करने में सहायक हो सकते हैं।

डर्मेटाइटिस में हर्बल चिकित्सा के लाभ (Benefits of Herbal Medicine in Dermatitis)

- खुजली और सूजन को कम करने में सहायक।
- जीवाणु (Bacterial) एवं फफूंद (Fungal) संक्रमण को नियंत्रित करने में सहायक।
- घाव भरने की प्रक्रिया में सहायता।
- त्वचा की नमी और बालों की गुणवत्ता में सुधार।
- उचित उपयोग किए जाने पर कुछ हर्बल उत्पादों में दुष्प्रभाव अपेक्षाकृत कम हो सकते हैं।

सावधानियाँ (Precautions)

- जड़ी-बूटियों का उपयोग हमेशा उचित मात्रा (Dosage) में करें।

- अधिक सांद्रता (High Concentration) वाले आवश्यक तेलों (Essential Oils) के सीधे उपयोग से बचें।
- आंतरिक उपयोग (Internal Use) से पहले पशु चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।
- बेहतर स्वास्थ्य लाभ के लिए उचित स्वच्छता और संतुलित पोषण बनाए रखें।
- किसी भी हर्बल उत्पाद के उपयोग से त्वचा में जलन या एलर्जी होने पर उसका उपयोग बंद करें और पशु चिकित्सक से संपर्क करें।